कचरे को नियोजित करने में अब रोबोट करेंगे मदद

रीजनल साइंस सेंटर में चल रहे विश्व रोबोट ओलंपियाड वर्कशॉप में 'रैप द स्क्रेप' केंद्रित थीम पर स्टूडेंट्स ने सीखा रोबोट बनाना

ROBOTIC WORKSHOP

सिटी रिपोर्टर • रीजनल साइंस सेंटर में चल रही विश्व रोबोट ओलंपियाड वर्कशॉप के दूसरे दिन स्टूडेंट्स को रोबोट बनाना सिखाया गया। विश्व रोबोट ओलंपियाड में भाग लेने के लिए स्टूडेंट्स को तैयार करने भारतीय रोबोट अकादमी के विशेषज्ञों ने अपने अनुभवों को स्टूडेंट्स के साथ साझा किया। 'रैप द स्क्रेप' केंद्रित थीम पर उनको रोबोट बनाना सिखाया गया। इसमें बच्चों को रॉ मटेरियल से रोबोट बनाने व चलाने की ट्रेनिंग दी गई।

यह वर्कशॉप राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद और इंडिया स्टेम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान से आयोजित की जा रही है। इसमें स्टूडेंट्स को विभिन्न स्तरों पर विभाजित किया गया है। जिसमें एलीमेंट्री,जूनियर व सीनियर हायर स्कूल प्रमुख हैं। इस वर्कशॉप में स्कूल-कॉलेज के 150 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। भारतीय रोबोट अकादमी द्वारा रोबोट को असेम्बल करने के तरीकों पर फिल्म भी दिखाई गई। रीजनल साइंस सेंटर के चारुदत्त पुल्लीवार ने बताया कि यह प्रतियोगिता तीन स्तरों पर विभाजित की गई है। जिसमे रीजनल, नेशनल व इंटरनेशनल लेवल शामिल हैं।

• वर्कशॉप में तकनीकी चीजों से रोबो निर्माण की बारीकियां सीखते स्टूडेंट्स।

रीजनल लेवल में प्रदेश स्तर के सभी स्टूडेंट्स शामिल हो सकते हैं। यह प्रतियोगिता 15 अगस्त से 15 सितंबर के मध्य आयोजित की जाएगी। वहीं, आगे नेशनल व इंटरनेशनल कॉम्पिटीशन आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान में रोबोट की भूमिका के माध्यम से कचरे को नियोजित करना है।

साइंस एग्जीबिशन 'वंडर वर्ल्ड ऑफ क्रिस्टल्स' आज से

क्रिस्टल क्या है, दैनिक जीवन में इसका क्या उपयोग है, जैसी तमाम जानकारियों से बच्चे और बड़े रूबरू हो सकेंगे। श्यामला हिल्स स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्र में 13 अप्रैल से साइंस एग्जीबिशन 'वंडर वर्ल्ड ऑफ क्रिस्टल्स' का आयोजन किया जा रहा है। सेंटर के प्रकल्प समन्वयक प्रबाल राय ने बताया कि दो महीने तक चलने वाली एग्जीबिशन में कई एक्टीविटीज होंगी। शुभारंभ आज सुबह 11 बजे एम्प्री के डायरेक्टर डॉ. एस दास करेंगे। गौरतलब है कि एग्जीबिशन का आयोजन नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम कोलकाता करेगा।